गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज

जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और क्यूरियस डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड, पिंक्मून मेटा स्टूडियोज तथा मूवी मिल एंटरटेनमेंट के सहयोग से बनी फिल्म गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है.

जहां आज का अधिकांश सिनेमा शोर और तमाशे से भरा हुआ है, वहीं गाँधी टॉक्स संयम और आत्मविश्वास के साथ सामने आती है. यह ट्रेलर बिना संवाद बोले बहुत कुछ कह जाता है. विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जाधव जैसे दमदार कलाकारों से सजे इस फिल्म के ट्रेलर में आंतरिक संघर्ष और बिना शब्दों की अभिव्यक्ति की झलक मिलती है. यहाँ संवादों की जगह अभिव्यक्ति और उपस्थिति कहानी का केंद्र बनती है.

विजय सेतुपति ने कहा, 'गाँधी टॉक्स ने मुझे बिना शब्दों के भाव व्यक्त करने की चुनौती दी. यह एक दुर्लभ फिल्म है, जहाँ मौन ही सबसे ताकतवर संवाद बन जाता है.'

अरविंद स्वामी ने कहा, एक ऐसी दुनिया में जो शोर से भरी है, गाँधी टॉक्स हमें याद दिलाती है कि खामोशी अब भी आत्मा को झकझोर सकती है. इस फिल्म में शब्द पीछे हट जाते हैं और सच चुपचाप सामने आ जाता है. रहमान का संगीत इसकी भाषा बन जाता है.

अदिति राव हैदरी ने कहा, 'इस फिल्म में मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया कि भावनाओं को बोला नहीं, महसूस किया जाता है. यह फिल्म संवेदनशीलता और खामोशी को एक साथ बहुत खूबसूरती से जीने देती है.'

किशोर पांडुरंग बेलेकर द्वारा निर्देशित गाँधी टॉक्स को ए. आर. रहमान के प्रभावशाली संगीत और बैकग्राउंड स्कोर का सशक्त सहारा मिला है.

ऋचा चड्ढा नॉन-फिक्शन ट्रैवल और कल्चर सीरीज को करेंगी प्रोड्यूस

बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा एक नए और रोमांचक प्रोजेक्ट के साथ अपनी क्रिएटिव दुनिया को आगे बढ़ा रही हैं. ऋचा चड्ढा एक नॉन-फिक्शन सीरीज़ को प्रोड्यूस करने जा रही हैं, जो यात्रा, संस्कृति और लोगों एवं जगहों से जुड़ी कहानियों पर आधारित होगी. अपने बेबाक और अर्थपूर्ण कहानी चयन के लिए जानी जाने वाली ऋचा इस सीरीज़ के ज़रिए एक नए क्षेत्र में कदम रख रही हैं, जहां असली अनुभवों और सांस्कृतिक खोज का मेल होगा.

यह सीरीज़ बतौर क्रिएटर नॉन-फिक्शन स्पेस में ऋचा चड्ढा की एंट्री को दर्शाती है और एक अभिनेत्री से आगे बढ़कर एक मल्टी-टैलेंटेड फिल्म पर्सनैलिटी के रूप में उनके सफर को और मज़बूत करती है. यह शो भारत की समृद्ध संस्कृति, अलग-अलग समुदायों, परंपराओं और लोगों के जीवन अनुभवों की एक दिलचस्प झलक पेश करेगा, जिसमें ऋचा की गहरी समझ और संवेदनशील नज़र साफ दिखाई देगी.

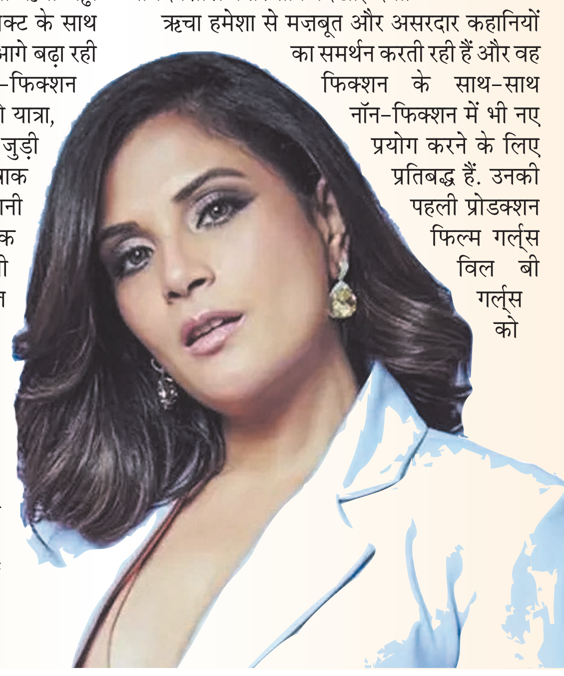

ऋचा हमेशा से मज़बूत और असरदार कहानियों का समर्थन करती रही हैं और वह फिक्शन के साथ-साथ नॉन-फिक्शन में भी नए प्रयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना और पहचान मिली थी, जो उनके ईमानदार और बेबाक स्टोरीटेलिंग के विज़न को दर्शाती है. इस नई सीरीज़ के साथ वह अपने क्रिएटिव दायरे को और आगे बढ़ाना चाहती हैं.

ऋचा चड्ढा ने इस नए क्रिएटिव चैप्टर पर बात करते हुए कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कहानियां हर जगह होती हैं - लोगों में, जगहों में और उन संस्कृतियों में, जिन्हें हम अक्सर समझने के लिए रुकते ही नहीं. इस नॉन-फिक्शन सीरीज़ के ज़रिए मैं उस दुनिया को जिज्ञासा और संवेदना के साथ देखना चाहती हूं. एक कलाकार के रूप में खुद को लगातार परखना, आगे बढ़ना और नए प्रयोग करना बहुत ज़रूरी है.

गर्ल्स विल बी गर्ल्स बतौर निर्माता मेरा पहला कदम था और यह नई सीरीज़ उसी दिशा में एक और रोमांचक छलांग है. मैं यात्रा, विरासत और मानवीय जुड़ाव से जुड़ी सच्ची कहानियों को सामने लाने के लिए उत्साहित हूं. कोविड की दूसरी लहर के दौरान कईंद्री के साथ मैंने इस तरह के कॉन्टेंट का एक छोटा सा अनुभव भी किया था, इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि यह सीरीज़ दुनियाभर के भारतीयों के दिलों को छुएगी.'

समारा इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी : भूमि

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी.

साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है. हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं.

भूमि ने कहा, 'समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी. मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं. यह उनके करियर की बस शुरुआत है. ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है.

भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं.'

'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है. वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं. दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं.

21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है. यह सीरीज़ विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है.

'जगद्धात्री' में तपस्या बनना मेरे लिए आसान नहीं : येशा हरसोरा

जी टीवी का शो 'जगद्धात्री' अपनी तेज रफ्तार कहानी और दमदार किरदारों की वजह से दर्शकों को लगातार बांधे हुए है. इन्हीं किरदारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में है तपस्या, जिसे येशा हरसोरा निभा रही हैं. कहानी में तपस्या के असली रंग अब माया देशमुख के सामने आ चुके हैं, और यहीं से उसका किरदार और भी दिलचस्प हो गया है. तपस्या कोई सीधी-सादी टीवी बहू नहीं है. वो बेबाक है, जल्दी चिढ़ जाती है, खुद को सही मानती है और बिना किसी झिझक के रूखा बोल देती है, खासकर अपनी बहन जगद्धात्री के साथ.

तपस्या के किरदार को निभाने को लेकर येशा मानती हैं कि ये रोल उनकी असल ज़िंदगी से बिल्कुल अलग है और अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है. येशा कहती हैं, 'मुझे सच में खुद को समझाना पड़ता है कि इतना रूखा बनूं. तपस्या बहुत साफ और कई बार बदतमीज़ तरीके से अपनी बात रखती है. मेरे लिए इतनी नेगेटिविटी दिखाना आसान नहीं होता, इसलिए हर सीन से पहले मैं खुद को तैयार करती हूं, ताकि वो गुस्सा और एटीट्यूड सही तरह से सामने आ सके. दिलचस्प बात यह है कि परिवार में होने वाले हंगामों में तपस्या ही एक ऐसी है, जो सच बोलती है. उसका तरीका भले ही कड़वा हो, लेकिन उसकी बातों में दम होता है. उसका यही ग्रे एरिया उसे इतना असली और मजेदार बनाता है.

वो आगे कहती हैं, 'तपस्या बहुत उतावली है और यही वजह है कि वो बार-बार खुद को मुश्किल में डाल लेती है. इस किरदार को निभाते हुए मैंने ये भी सीखा है कि असल जिंदगी में शांत रहना कितना जरूरी है. हर बात पर तुरंत रिएक्ट करना अक्सर चीज़ों को बिगाड़ देता है. कई बार थोड़ा रुकना ही सही रास्ता दिखाता है. मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं, जो मुझे एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें. तपस्या मुझे जज़्बाती और दिमागी, दोनों तरह से आगे बढ़ने का मौका देती है.

दर्शकों से मिले प्यार के लिए बेहद आभारी हैं मुन्नवर

स्टैंड-अप कॉमेडियन और बिग बॉस फेम मुनव्वर फारूकी का कहना है कि वह दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं. आज अपना जन्मदिन मना रहे मुन्नवर फ़ारूक़ी इस बार किसी ग्रैंड पार्टी के मूड में नहीं हैं. बड़े जश्न की जगह मुन्नवर ने फैसला किया है कि वह अपना खास दिन अपने बेहद करीबी दोस्तों और परिवार के साथ सादगी से मनाएंगे. लगातार व्यस्त और कामयाब रहे साल के बाद, मुन्नवर ने अपने टाइट शेड्यूल से थोड़ा ब्रेक लेकर अपनों के साथ इस नए साल की शुरुआत करने का मन बनाया है.

प्रोफेशनल फ्रंट पर बीता साल मुन्नवर के लिए काफी इवेंटफुल रहा. उन्होंने फ़र्स्ट कॉपी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और बाद में इसका दूसरा सीज़न भी आया. एक्टिंग के साथ-साथ मुन्नवर ने अपनी पहली इंटरनेशनल स्टैंड-अप वर्ल्ड टूर भी पूरी की, जहां उन्होंने कई देशों में परफॉर्म किया. इसके अलावा, वह पति पत्नी और पंगा, द सोसाइटी सीज़न 1, हफ्ता वसूली जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज़ को भी होस्ट करते नज़र आए.

मुन्नवर फ़ारूक़ी ने पिछले साल को याद करते हुए कहा कि वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं. उन्होंने साझा किया, 'पिछला साल मेरे लिए बहुत खास और बेहद बिज़ी रहा. फ़र्स्ट कॉपी के साथ मेरा पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट करना और उसके दोनों सीज़न्स को इतना प्यार मिलना, फिर अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी को पहली इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर तक ले जाना, यह सब मेरे लिए सीख और ग्रोथ से भरा रहा.

फिल्म रंग दे बसंती के 20 साल पूरे

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में बनी फिल्म रंग दे बसंती के प्रदर्शन के 20 साल पूरे होने पर 30 जनवरी को फिल्म की टीम के लिए खास स्क्रीनिंग इवेंट आयोजित किया जायेगा. आमिर खान, आर माधवन, सिद्धार्थ सूर्यनारायण, सोहा अली खान, शर्मन जोशी, कुणाल कपूर, अनुपम खेर और अतुल कुलकर्णी जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म देशभर में एक बड़ा फेनोमेना बन गई थी. अपनी ताकतवर कहानी और बेखौफ आवाज़ के ज़रिए फिल्म ने न सिर्फ चर्चाएं छेड़ीं, बल्कि दर्शकों के दिलों में गहरी छाप भी छोड़ी.

26 जनवरी 2006 को रिलीज़ हुई रंग दे बसंती ने इस रिपब्लिक डे पर अपने थिएट्रिकल सफर के 20 साल पूरे कर लिए हैं. इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए मेकर्स फिल्म की कास्ट और क्रू के लिए एक स्पेशल स्क्रीनिंग रख रहे हैं. 30 जनवरी को मुंबई में होने वाली इस स्क्रीनिंग में राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ आमिर खान, सिद्धार्थ सूर्यनारायण, सोहा अली खान, कुणाल कपूर और अतुल कुलकर्णी भी शामिल होंगे.

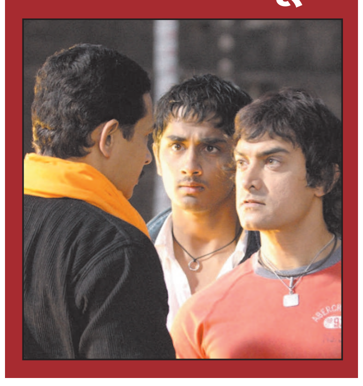

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

व्हाट्सएप में बड़ा प्राइवेसी बदलाव

दुनिया के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग मंच व्हाट्सएप में जल्द ही एक बड़ा और अहम बदलाव होने जा रहा है. यह बदलाव सीधे तौर पर उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता से जुड़ा हुआ है. अब तक व्हाट्सएप पर बातचीत करने के लिए मोबाइल नंबर अनिवार्य था, लेकिन आने वाले नए अपडेट में उपयोगकर्ताओं को अपना फोन नंबर छुपाने की सुविधा मिलने वाली है.

व्हाट्सएप लंबे समय से मुफ्त सेवाएं देता आ रहा है और इसके बावजूद कंपनी समय-समय पर नए और उपयोगी फीचर जोड़ती रही है. हाल के वर्षों में गायब होने वाले संदेश, चैट लॉक, और कम्पैनियन डिवाइस सपोर्ट जैसे फीचर पेश किए गए हैं. अब इसी कड़ी में कंपनी एक और बड़ा प्राइवेसी अपडेट लाने की तैयारी में है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाट्सएप जल्द ही यूजरनेम आधारित चैट प्रणाली शुरू करने जा रहा है. इस फीचर के आने के बाद उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर की जगह एक यूजर नाम बनाकर दूसरों से बातचीत कर सकेंगे. यानी अब किसी से चैट करने के लिए फोन नंबर साझा करना जरूरी नहीं होगा. इस नए फीचर की जानकारी व्हाट्सएप के बीटा संस्करण में सामने आई है. प्रसिद्ध प्लेटफॉर्म डब्ल्यूएबीटा इंफो के अनुसार, कंपनी इस फीचर के इंटरफेस और नियमों की सक्रिय रूप से जांच कर रही है. फिलहाल यह सुविधा आम उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले अपडेट्स में इसे धीरे-धीरे सभी के लिए जारी किया जाएगा.

नया सिस्टम कुछ हद तक टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे मंचों की तरह काम करेगा. उपयोगकर्ता एक अलग पहचान यानी यूजरनेम बना पाएंगे. अगर किसी व्यक्ति के पास आपका मोबाइल नंबर नहीं है, तब भी वह आपके यूजरनेम के ज़रिये आपसे संपर्क कर सकेगा. यह सुविधा खासतौर पर ग्रुप चैट, ऑनलाइन समुदायों और नए लोगों से जुड़ने में बेहद उपयोगी साबित होगी. इस बदलाव से उन लोगों को राहत मिलेगी जो अपनी निजी जानकारी, खासकर मोबाइल नंबर, अनजान लोगों के साथ साझा नहीं करना चाहते.

अमेजफिट की नई स्मार्ट घड़ी भारत में लॉन्च

टेक्नोलॉजी की दुनिया में अमेज़फिट ने भारतीय बाजार में अपनी नई स्मार्ट घड़ी एक्टिव मैक्स को लॉन्च कर दिया है. यह घड़ी आधुनिक डिज़ाइन, दमदार बैटरी और उन्नत स्वास्थ्य निगरानी सुविधाओं के साथ पेश की गई है. कंपनी ने इसे अपनी स्मार्ट घड़ी श्रृंखला के नवीनतम संस्करण के रूप में उतारा है.

अमेज़फिट एक्टिव मैक्स में गोल डायल दिया गया है, जिसमें 1.5 इंच का ऐमोलैड डिस्प्ले लगा है. यह डिस्प्ले 480म480 पिक्सल रेजोल्यूशन, 323 पिक्सल प्रति इंच घनत्व और 3000 निट्स तक की तेज़ चमक के साथ आता है, जिससे धूप में भी स्क्रीन साफ दिखाई देती है. डिस्प्ले पर मजबूत कांच और उंगलियों के निशान से बचाने वाली परत चढ़ी हुई है. इसका फ्रेम एल्युमिनियम का बना है, जो इसे प्रीमियम लुक देता है. यह स्मार्ट घड़ी 5 एटीएम वाटर रेजिस्टेंस के साथ आती है, यानी पानी में भी सुरक्षित रहती है. दाईं ओर दिए गए दो नेविगेशन बटन और ऊपर लगा रोटर मोटर इसे इस्तेमाल में आसान बनाते हैं.

स्वास्थ्य के लिहाज़ से एक्टिव मैक्स को काफी उन्नत बनाया गया है. इसमें बायो ट्रैकर पीपीजी जैव मापक सेंसर दिया गया है, जो चौबीसों घंटे हृदय गति निगरानी, रक्त में ऑक्सीजन स्तर, तनाव स्तर और त्वचा के तापमान की जांच करता है. खास बात यह है कि इसमें नींद की गुणवत्ता निगरानी सुविधा दी गई है, जो नींद के चरण, दिन की झपकी, नींद का समय, सांसों की गुणवत्ता और हृदय गति में बदलाव के आधार पर नींद अंक बताती है. इसके अलावा, घड़ी में एक्सेलेरोमीटर, जायरोस्कोप, जियोमैग्नेटिक सेंसर, बैरोमेट्रिक ऊंचाई मापक, पर्यावरण प्रकाश सेंसर और तापमान सेंसर भी शामिल हैं. स्थान निर्धारण के लिए इसमें पांच उपग्रह आधारित प्रणाली और ब्लूटूथ 5.3 कनेक्टिविटी दी गई है.

अमेज़फिट एक्टिव मैक्स में 658 मिलीएम्पियर घंटे की बैटरी लगी है. कंपनी का दावा है कि सामान्य इस्तेमाल पर यह 25 दिन तक, ज्यादा इस्तेमाल पर 13 दिन, और लगातार जीपीएस चलाने पर 64 घंटे तक चल सकती है. भारत में इसकी कीमत 15,999 रुपये रखी गई है. यह घड़ी काले रंग में उपलब्ध है और ग्राहक इसे बिना ब्याज की किस्त योजना में भी खरीद सकते हैं. कुल मिलाकर, अमेज़फिट एक्टिव मैक्स फिटनेस और तकनीक का संतुलित संगम बनकर सामने आई है.

अर्जेंटीना में मिला डायनासोर का नया वंश

अर्जेंटीना के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में जीवाश्म विज्ञानियों ने डायनासोर की दुनिया से जुड़ी एक बड़ी खोज की है. वैज्ञानिकों ने टाइटनोसॉर समूह के एक नए सॉरोपॉड डायनासोर की नई प्रजाति और नया वंश खोज निकाला है, जिसे येनीन हौसेई नाम दिया गया है. यह विशालकाय जीव आज से लगभग 8 करोड़ 30 लाख वर्ष पहले, यानी लेट क्रेटेशियस काल में पृथ्वी पर विचरण करता था.

यह खोज पेटागोनिया प्रांत के न्यूक्वेन बेसिन में स्थित सेरो ओवरो-ला इन्वर्नाडा नामक स्थान से हुई है. यहाँ बाजो दे ला कार्पा भू-रचना से प्राप्त जीवाश्म अवशेष इस क्षेत्र में मिले टाइटनोसॉरों में अब तक के सबसे पूर्ण कंकालों में से एक माने जा रहे हैं. वैज्ञानिकों के अनुसार, येनीन हौसेई का सिर उसके विशाल शरीर के अनुपात में अपेक्षाकृत छोटा था. इसकी लंबाई लगभग 10 से 12 मीटर और वज़न 8 से 10 टन के बीच आँका गया है. यह एक शाकाहारी, लंबी गर्दन वाला डायनासोर था, जो गोंडवाना महाद्वीप में फैले टाइटनोसॉरिया समूह का सदस्य था. इस खोज का नेतृत्व करने वाले जीवाश्म विज्ञानी डॉ. लियोनार्डो फिलिप्पी के अनुसार, मिले हुए अवशेषों में छह गर्दन की कशेरुकाएँ, दस पीठ की कशेरुकाएँ, पसलियाँ, त्रिकास्थि और पूँछ की पहली कशेरुका शामिल हैं. उसी स्थान पर कम से कम दो अन्य सॉरोपॉड डायनासोरों के अवशेष भी मिले हैं, जिनमें एक किशोर और एक अलग, अभी अज्ञात वयस्क टाइटनोसॉर शामिल है. वैज्ञानिक विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि येनीन हौसेई का निकट संबंध नारम्बुएनाटिटन और ओवरोसॉरस जैसे टाइटनोसॉरों से है.

चमकता नेबुला निकला तारों की जन्मस्थली

अंतरिक्ष में दिखाई देने वाला एक रहस्यमय चमकता नेबुला अब वैज्ञानिकों के लिए नई खोजों का द्वार खोल चुका है. वेला जूनियर सुपरनोवा, जिसे आरएक्स जे 0852.0-4622 या जी 266.2-1.2 के नाम से भी जाना जाता है, कुछ हज़ार वर्ष पहले फटा था. इसके बाद पीछे एक विशाल चमकता हुआ नेबुला रह गया, लेकिन वैज्ञानिक लंबे समय तक यह नहीं समझ पाए कि यह विस्फोट कितनी दूरी पर हुआ और इसकी वास्तविक शक्ति कितनी थी.

अब इस रहस्य को सुलझाने में मदद की है एक निर्माणाधीन नवजात तारे, वीई 7-27, की खोज ने. खगोलविदों ने यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के वेरी लार्ज

टेलीस्कोप पर लगे मल्टी यूनिट स्पेक्ट्रोस्कोपिक एक्सप्लोरर यानी म्यूज़ उपकरण की मदद से इस तारे की पहली विस्तृत छवि प्राप्त की है. मैनिटोबा विश्वविद्यालय की खगोल-भौतिक विज्ञानी डॉक्टर समर सैफी-हर्ब के अनुसार, यह पहली बार साबित हुआ है कि कोई नवजात तारा सीधे किसी सुपरनोवा अवशेष से जुड़ा हुआ है.

उन्होंने बताया कि वीई 7-27 से निकलने वाली गैस में वही रासायनिक पहचान चिह्न पाए गए हैं, जो वेला जूनियर सुपरनोवा के विस्फोट से निकले पदार्थों में मौजूद थे. इस रासायनिक समानता से यह स्पष्ट हो गया कि दोनों पिंड भौतिक रूप से जुड़े हुए हैं. इससे वैज्ञानिकों को वेला जूनियर की दूरी तय करने में मदद मिली. चूंकि वीई 7-27 लगभग 4,500 प्रकाश-वर्ष दूर स्थित है, इसलिए वेला जूनियर सुपरनोवा भी लगभग उतनी ही दूरी पर मौजूद है. इस नई जानकारी से यह भी सामने आया है कि वेला जूनियर पहले के अनुमानों से कहीं अधिक बड़ा, शक्तिशाली और तेज़ी से फैलने वाला सुपरनोवा अवशेष है. इससे यह हमारी आकाशगंगा के सबसे ऊर्जावान सुपरनोवा अवशेषों में से एक बन जाता है. डॉक्टर सैफी-हर्ब ने समझाया कि एक तारा प्याज़ की तरह कई परतों से बना होता है. जब उसमें विस्फोट होता है, तो ये परतें अंतरिक्ष में फैल जाती हैं.

अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि वही परतें पास में जन्म ले रहे एक छोटे तारे के जेट में दिखाई दे रही हैं. यह खोज न केवल एक पुरानी खगोलीय पहेली को सुलझाती है, बल्कि यह भी बताती है कि तारे कैसे बनते हैं.